बरनाबास का करूणा दिखाना

जो बच्चो को पढ़ाते हैं वे एल 4 बी का अध्ययन करें।

यीशु ने हमें आज्ञा दी कि दुसरो से प्रेम करो, शत्रुओं को माफ करो और आत्मिक खुशी से सहयोग करो।

प्रार्थनाः स्वर्गीय पिता, हमें आपकी सामर्थ चाहिए कि दूसरो को और अपने शत्रुओं को क्षमा करें जिस प्रकार आपने हमें माफ किया।

1. प्रभु के वचन से अपने को तैयार करो कि दुसरो को नम्रता और करूणा से सेवकाई दें।

प्रेरितों के काम 4:34-37 में ढूंढ़े कि बरनाबास ने क्या किया जब कलीसिया में दीन विश्वासी थे।

प्रेरितो के काम 9:24-27 में ढूंढे कि बरनाबास ने क्या किया जब लोग शाऊल से डरते थे (जो बाद में पौलुस कहलाया)

प्रेरितो के काम 11:20-30...

- बरनाबास ने क्या किया जब विरोधी यूनानी मसीह बन गए।
- बरनाबास ने क्या किया जब उध्दार पाए हुए लोग अच्छे शिक्षक बने।

प्रेरितो के काम 15:1-4 में ढूंढें कि पौलुस और, बरनाबास ने क्या किया जब यहूदी मसीहियों ने नास्तिक मसीहियों से यहूदी रीति रिवाज अपनाने को कहा।

यूहन्ना 13:34-35 में ढूंढें कि यीशु ने अपने चेलों को क्या करने की आज्ञा दी।

मत्ति 20:1-16 में ढूढें कि हमारा नए विश्वासियो के प्रति कैसा व्यवहार होना चाहिए हांलाकि हमने उनसे ज्यादा काम किया और उनसे ज्यादा यीशु के लिए दु:ख उठाए।

1 कुरिन्थियो अध्ययन 13...

- हमारे उन दानों का क्या मूल्य रह जाता अगर प्रेम से न किए गए।
- वह कौन सी चीज़े है जिनसे प्रेम प्रगट होता है।
- वह कौन सी चीज़े है जिनसे प्रेम प्रगट नहीं होता है।
- प्रेम कौन से काम करता है
- कौन से काम जिससे प्रेम नहीं होता।

लूका 23:33-34 तथा प्रेरितो के काम 7:58-60 में ढूंढें कि यीशु और स्तिफनुस से क्या प्रार्थना की, जिससे विश्वासियो को यह जताना हो कि वह अपनों के लिए क्या करें।

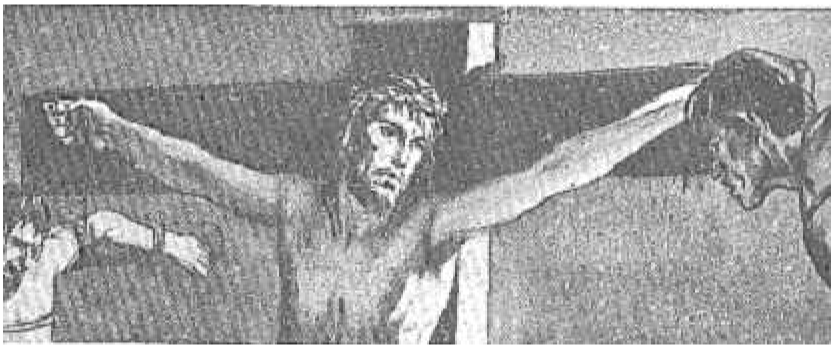

रोमियो अध्याय 14:1-5 में ढूंढे कि विश्वासी उनका आदर कैसे करें जिनका विचार यीशु की सेवकाई के लिए भिन्न है।

2. अपने सहयोगी के साथ सप्ताह के दौरान कार्य करने की योजना बनाएं।

उस विश्वासी का नाम बताएँ जिसने उनको क्षमा नहीं किया और कड़ुवा अनुभव रहा उन लोगो के प्रति जिन्होने उसको अधर्म पूर्ण कहा। उन विश्वासियो के पास जाकर प्रार्थना कीजिए कि वह अपराधियो को क्षमा करें।

विचार विमर्श करें कि आप उन विश्वासियो को कैसी सलाह देंगें जो इस प्रकार की बात करते हैं:

- किसी ने अच्छी नौकरी दिलाने में किसी की मदद की लेकिन उसने मेरे लिए ऐसा काम नहीं किया।
- कुछ वर्ष पहले अमुक ने मुझे अपनी शिक्षाओं से कष्ट दिया, मैं उस कलिसिया में कभी नहीं जाऊँगा।
- मैं अमुक व्यक्ति को पसन्द नहीं करता जिस तरह वह समूह की अगुवाई करता है। अज्ञानी लोगो को गलत बातें बताता है।
- "मैं उन नए लोगों के साथ नहीं आना चाहता जिनकी बोली भिन्न है, और कपड़े पहनने का तरीका अलग है।"

प्राप्त करे और साथ-साथ पढ़ें ''एक दुसरे को आज्ञाएँदे'' जो नए नियम में पौलुस तिमुथियुस की अगुवाई प्रशिक्षण अध्ययन संख्या सी 5 ई और इस अध्याय के अन्त में सारांश पढ़े।

3. अपने सहयोगी के साथ आने वाली प्रार्थनाओ की योजना बनाए। वह कार्यक्रम चुने जो अवसर के अनुसार हो।

भाग एक से सारा या कुछ घटनाए याद करें जो बरनाबास के जीवन पर आधारित हो।

भाग एक में आपने जो कुछ पाया उसमें से प्रश्न पूछें।

क्या बच्चो ने बड़ो के लिए, नाटक, कविता और प्रश्न जिसका अभ्यास किया, प्रस्तुत किया।

एक दुसरे की आज्ञाओं पर पुनर्विचार करे जो नये नियम है और विश्वासी विचार विमर्श करे कि वह कैसे अभ्यास करेगें।

''प्रभु की भेज'' के परिचय के लिए पढ़े और बताएँ यूहन्ना 6:1-14 कि यीशु ने कैसे अद्‌भुत तरीके से भूखे लोगो को खाना खिलाया। व्याख्या करो कि वह कैसे आज भी हम विश्वासियो को आत्मिक भोजन और जल देता है।

अगर समय है, तो किसी को कहिए कि वह कविता पढ़े या आपका चुना हुआ।

दुष्ट अपनी योजनाएं घोषित करता है,
    गहरी दृष्टि जल्द ही अपनी छवी ड़ालेगी!
मैं देखना चाहता हूँ की लोग अकेले हो जाए
    और निराशा की दु:खद गहराई में देखते रहें!
शैतान के कानों के लिए मधूर संगीत
    लोगों का कराहना और दु:ख भरी आहे है।
नरक का जोकर उनके आंसू देखकर हंसता है,
    और हंसता है जब उनका आनंद मिट जाता है।

याद करके एक साथ सीखे 1 यूहन्ना 13:14

एक दूसरे की गलतिया कबूल करने के लिए, शत्रुओं के लिए प्रार्थना करने के लिए और एक दूसरे को प्रोत्साहन देने के लिए छोटे समूह बनाएं।

नए नियम से ''एक दुसरे की'' आज्ञाएँ।

1. प्रेम

एक दूसरे से प्रेम करो: यूहन्ना 13:34-35, 5:12 और 17 रोमियो 12:10, 1 थिस्सलुनिकियो 4:9, 1 यूहन्ना 3:11,14 तथा 23, 4:7, 11-12, 2 यूहन्ना 1:5, 1 पतरस 1:22

एक दुसरे से प्रेम करो, यही धर्मशास्त्र है: रोमियो 13:8

एक दूसरे के लिए प्रेम बढ़ाए: 2 थिस्सलुनिकियो 1:3

दुसरों के लिए प्रेम में उमड़ पड़ना: 1 थिस्सुनिकियो 3:12

प्रत्येक को गहराई से प्रेम करो ताकि समाज के पाप ढक जाएँ: 1 पतरस 4:8

2. सहभागिता और समाधान

एक दुसरे के साथ सहभागिता रेखें: 1 यूहन्ना 1:7

एक दुसरे को क्षमा करे: इफिसियो 3:13, 4:32 कुलुस्सियो 3:13

पवित्र चुंबन द्वारा आपस में नमस्कार करो (कुछ समाज में गले लगाना) रोमियो 16:16, 1 कुरिन्थियो 16:20, 2 कुरिन्थियो 13:12, 1 पतरस 5:14

रोटी तोड़ने में एक दुसरे के लिए ठहरा करो: 1 कुरिन्थयो 11:33

एक दुसरे का दु:ख: बाँटो: 1 कुरिन्थयो 12:26

3. सेवा

अपने दानो के द्वारा एक दुसरे को सेवा करो: 1 पतरस 4:10

प्रेम से एक दुसरे की सेवा: गलतियो 5:13

एक दुसरे पर दयालू बनो: 1 थिस्सलुनिकियो 5:15

एक दुसरे की चिन्ता करो: 1 कुरिन्थयो 12:25

एक दुसरे का भार उठाओ: गलतियो 6:2

तुम्हें एक दुसरे के पैर धोने चाहिए जिससे नम्र सेवा प्रदर्शित हो: यूहन्ना 13:14

एक दूसरे के सहकर्मी बनो: 1 कुरिन्थयो 3:9, 2 कुरिन्थियो 6:1

4. शिक्षा

एक दुसरे को शिक्षा दें 6 कुलुस्सियो 3:16

एक दुसरे को समझाना: रोमियो 5:14

5. प्रोत्साहन

एक दुसरे को प्रोत्साहित करो: कुलुस्सियो 3:16, इब्रानियो 10:25

एक दुसरे को सदुपदेश देना: इब्रानियो 3:13

एक दुसरे से सच बोलो: इफिसियो 4:25

हमे दुसरो के लिए प्राण देना चाहिए: 1 यूहन्ना 3:16

प्रेम और अच्छे कामों के लिए एक दुसरे को प्रोत्साहित करो: इब्रानियो 10:24

6. प्रार्थना, पापो का अंगीकार और आध्यात्मिक उपदेश देना

एक दुसरे के लिए प्रार्थना करो। याकूब 5:16

एक दूसरे के सामने पापो का अंगीकार करना। याकूब 5:16

अध्यात्मिक (मज़बूत, निर्माण करना) सुधार परस्पर 1 थिस्सलुनीकियो 4:18 और 5:1 तथा 11

परस्पर प्रोत्साहित करो, गीतो के द्वारा, वचन से, प्रकाशन, भाषा या भाषा का अनुवाद 1 कुरिन्थियो 14:26

परमेश्वर की स्तुति एक साथ करो। रोमियो 15:6

7. दीनता और समानता बनाना

एक दुसरे का सम्मान करो 1 रोमियो 12:10

परस्पर एक मन हो। 2 कुरिन्थियो 13:11, रोमियो 12:16,15:5

एक दुसरे पर दोष न लगाए। रोमियो 14:13

एक दुसरे के विरूद्ध न बोले। याकूब 4:11, 5:9

एक दुसरे के अधीन रहो। इफिसियो 5:21

एक दुसरे के प्रति विनम्रता धारण करो। 1 पतरस 5:5

8. एकता में रहना

एक दुसरे के साथ सहनशीलता प्रकट करो। इफिसियो 4:2

एक दुसरे के साथ शान्ति से रहो। मत्ति 9:50

एक दुसरे को सत्कार में ग्रहण करो। रोमियो 15:7,1पतरस 4:9